हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, शुक्रवार 26 जून 2026

11 महीने से वेतन नहीं, कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के पहिए थमे

12 मानसून सिर पर, फिर भी रेंग रहा 24 करोड़ का सीवरेज प्रोजेक्ट

150 टेंडर और 35 करोड़ खर्च फिर भी विकास अधूरा

रानियां को आदर्श नगर बनाने के वादों और जमीनी हकीकत के बीच दिखा बड़ा अंतर

हरिभूमि न्यूज ⏭रानियां

रानियां को आधुनिक और आदर्श नगर बनाने' के वादों के साथ वर्ष 2022 में नगर पालिका का नया बोर्ड अस्तित्व में आया था। एक अध्यक्ष और 15 पार्षदों को शहर के विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लोगों को उम्मीद थी कि शहर की मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा और विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। चार वर्ष बाद जब कार्यकाल का लेखा-जोखा सामने आता है तो विकास के दावों, खर्च हुए करोड़ों रुपये और शहर की मौजूदा स्थिति के बीच का अंतर कई गंभीर सवाल खड़े करता है। नगर पालिका रिकॉर्ड के अनुसार पिछले चार वर्षों में विकास कार्यों के लिए लगभग 45 करोड़ रुपये की ग्रांट प्राप्त हुई, जिनमें से करीब 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस दौरान लगभग 150 टेंडरों के माध्यम से विभिन्न विकास कार्य कराए गए। अधूरी परियोजनाएं, गुणवत्ता संबंधी शिकायतें और नपा खाते में पड़ी लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि कई सवालों को जन्म देती है।

अधूरी परियोजनाएं और गुणवत्ता पर सवाल बरकरार

गलियों में समय से पहले उभर आई टूट-फूट पर प्रश्नचिह्न

विकास कार्यों पर खर्च की गई राशि में सबसे बड़ा हिस्सा गलियों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण पर रहा। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से 185 गलियों का निर्माण अथवा पुनर्निर्माण कराया गया। हालांकि विभिन्न वार्डों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। कई नागरिकों का कहना है कि कुछ स्थानों पर अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति वाली गलियों का भी पुनर्निर्माण किया गया, जबकि जिन क्षेत्रों में वास्तविक आवश्यकता थी, वहां विकास कार्यों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिली। कई नई बनी गलियों में समय से पहले उभर आई टूट-फूट और दरारों की शिकायतों ने निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। शहर के मुख्य मार्ग पर डिवाइडर के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये की परियोजना शुरू की गई थी। शहरवासियों का कहना है कि पुराने डिवाइडर को हटाने के बाद लंबे समय तक क्षेत्र अव्यवस्थित रहा और परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी।

कई हिस्सों में जलभराव की समस्या

विकास कार्यों के साथ-साथ नगर पालिका खाते में पड़ी करीब 10 करोड़ रुपये की राशि भी चर्चा का विषय बनी हुई है। शहरवासियों का कहना है कि जब जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था, पार्कों के विकास और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी आवश्यकताएं अभी भी बनी हुई हैं, तब इतनी बड़ी राशि का समय पर उपयोग न होना जवाबदेही की मांग करता है। बरसात के मौसम में शहर के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। वहीं अनेक क्षेत्रों में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट व्यवस्था नहीं होने की शिकायतें भी समय-समय पर उठती रही हैं। लोगों का मानना है कि विकास कार्यों की संख्या से अधिक उनकी गुणवत्ता, उपयोगिता और स्थायित्व पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

नपा खाते में पड़ी लगभग 10 करोड़ की राशि गई सवालों को दे रही जन्म

प्रस्ताव पारित न होने पर कुछ योजनाएं लंबित

नगर पालिका सचिव विक्रमजीत ने बताया कि सरकार प्रत्येक वर्ष लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये की ग्रांट विकास कार्यों के लिए उपलब्ध करवाती है। उनके अनुसार विकास कार्यों पर राशि खर्च करने से पहले प्रस्तावों का नगर पालिका हाउस से अनुमोदन आवश्यक होता है। हाउस में प्रस्ताव समय पर पारित नहीं होने के कारण कुछ योजनाएं लंबित रहीं और उपलब्ध राशि खर्च नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त होते ही लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

सिरसा। वाहन चालकों को सावधान करने के लिए सड़क पर रखे ईंट-पत्थर।

मिनी बाइपास पर सड़क पर बने गहरे गड्ढे

सिरसा। शहर के चत्तरगढ़पट्टी मिनी बाइपास पर पाइप लीकेज के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है, लेकिन न पब्लिक हेल्थ विभाग को कोई परवाह है और न ही पीडब्ल्यूडी विभाग को। मिनी बाइपास पर पब्लिक हेल्थ विभाग की पाइप लाइन में बार-बार लीकेज के कारण सड़क आधा दर्जन जगहों से धंस चुकी है। नीचे से सड़क थोथी हो चुकी है। गहरे गड्ढे बन चुके हैं। आसपास के लोगों द्वारा ईंट-पत्थर, टहनियां रखकर वाहन चालकों को चेताया गया है, अन्यथा अनेक हादसे अब तक घटित हो चुके होते। अचरज की बात यह है कि पब्लिक हेल्थ का मिनी बाइपास पर ही ऑफिस है और इसके सामने की साइड में पाइप लाइन में लीकेज होता रहता है। यही स्थिति लोक निर्माण विभाग की है। मिनी बाइपास पर नहरी पानी की लाइन अंडरग्राऊंड बिछायी गई है। कुछ-कुछ दूरी के बाद उसके चैंबर बनाए गए है ताकि पाइप लाइन की सफाई की जा सकें।

खबर संक्षेप

रेलगाड़ी से मिला चार किलो डोडापोस्त

सिरसा। रेवाड़ी से फाजिल्का पैसेंजर गाड़ी से नारकोटिक सेल हिसार डिविजन के प्रभारी भूप सिंह की टीम ने स्पेशल चेकिंग अभियान के तहत लावारिस अवस्था में चार किलो 200 ग्राम डोडापोस्त बरामद किया। पुलिस डोडापोस्त कब्जे में लेकर अगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जीआरपी नारकोटिक सेल हिसार डिविजन के प्रभारी भूपसिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा स्पेशल नशा मुक्ति अभियान चलाया हुआ है।

पिकअप की टक्कर से पटवारी गंभीर घायल

फतेहाबाद। गांव मानावाली में हुए सड़क हादसे में पिकअप की चपेट में आने से नहरी पटवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार नहरी विभाग में कार्यरत पटवारी सत्यवान शर्मा निवासी टोहाना कार्य पूरा करने के बाद जब वापस लौट रहे थे और बस में चढ़ रहे थे, तभी पीछे से तेज गति से आ रही एक पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

होटल कर्मचारी से मारपीट के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। पैराडाईज होटल में कर्मचारी के साथ मारपीट, तोडफ़ोड़ तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी बस अड्डा की टीम ने एक ओर युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान हिसार के घोड़ा फार्म रोड, हरि विहार कॉलोनी निवासी बिट्टू कुमार पुत्र चंद्र शेखर के रूप में हुई है।

गुमशुदा बच्चा राजस्थान क्षेत्र से सकुशल बरामद

सिरसा। पुलिस ने गांव जोधपुरिया क्षेत्र से गुमशुदा बच्चे को राजस्थान क्षेत्र से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि गुमशुदा बच्चों की तलाश और उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के उद्देश्य से सिरसा पुलिस द्वारा विशेष रूप से मिसिंग सेल का गठन किया गया है।

महिला थाना प्रभारी बदलीं हुड्डा चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

- पिछले दिनों चर्चा में रही फतेहाबाद पुलिस, एसपी ने तीसरे दिन भी किए फेरबदल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में पुलिस विभाग से जुड़े विवादों और हालिया कार्रवाईयों के बीच पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर का एक्शन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। एसपी ने वीरवार को एक और बड़े प्रशासनिक फेरबदल के आदेश जारी करते हुए महिला थाना, दुर्गा शक्ति, चौकियों और विभिन्न थानों में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले किए हैं। साथ ही 10 से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस लाइन भेजकर विभाग में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर सख्त संदेश दिया है। ताजा आदेशों के अनुसार महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरुणा का तबादला कर उन्हें दुर्गा शक्ति का प्रभार सौंपा गया है। वहीं इंस्पेक्टर मंजू सिंह को महिला थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा हुड्डा चौकी इंचार्ज वीरेंद्र पिलानिया को पुलिस लाइन भेज दिया गया है और उनकी जगह एसआई रजत को नया चौकी इंचार्ज लगाया गया है। एसपी द्वारा जारी आदेशों में कई थाना क्षेत्रों और इकाइयों में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को पुलिस लाइन भेजा गया है।

एसपी निकिता खट्टर।

शराब कांड के बाद ऑपरेशन क्लीन तेज

गौरतलब है कि पिछले तीन दिनों से एसपी निकिता खट्टर लगातार पुलिस महकमे में बदलाव कर रही हैं। इससे पहले भी कई थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए थे। विभागीय सूत्रों के अनुसार पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने, कानून व्यवस्था को मजबूत करने तथा कार्यप्रणाली की समीक्षा के आधार पर यह बदलाव किए जा रहे हैं। सदर थाना फतेहाबाद के मालखाने में रखी शराब की सैकड़ों पेटियों को रिकॉर्ड में नष्ट दिखाने के मामले के बाद से एसपी का रुख काफी सख्त नजर आ रहा है। इस मामले में तत्कालीन एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के साथ-साथ मालखाना इंचार्ज पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। वहीं जिले के सभी थानों के मालखानों की फिजिकल वेरिफिकेशन भी करवाई जा रही है।

तालाब की जमीन पर बड़ा खुलासा: 22 एकड़ भूमि की डीजीपीएस से हुई निशानदेही

धर्मशालाएं, मंदिर परिसर, दुकानें और 300 से ज्यादा मकान जोहड़ की जमीन पर मिले

प्रशासन की रिपोर्ट के बाद चल सकती है कब्जा हटाओ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

शहर के तालाबों की जमीन पर वर्षों से चले आ रहे कथित अतिक्रमणों को लेकर प्रशासन की कार्रवाई ने बड़ा खुलासा किया है। वार्ड नंबर-10 स्थित गैर मुमकिन जोहड़ की करीब 22 एकड़ भूमि की डीजीपीएस मशीन से कराई गई निशानदेही में धर्मशालाओं, मंदिर परिसर, दुकानों और सैकड़ों रिहायशी मकानों के तालाब क्षेत्र में आने के संकेत मिले हैं। कार्रवाई के बाद शहर में हड़कंप की स्थिति है। वीरवार को राजस्व विभाग की टीम ने खसरा नंबर 853 की भूमि का दूसरे चरण का सीमांकन किया। आधुनिक डीजीपीएस तकनीक के जरिए की गई इस प्रक्रिया में हिसार रोड स्थित जनता धर्मशाला एवं उससे जुड़ी दुकानों, विश्वकर्मा धर्मशाला, गुरु जंभेश्वर मंदिर परिसर की दुकानों तथा इंदिरा आवास कॉलोनी के पीछे बने 300 से अधिक मकानों को जोहड़ भूमि की सीमा में चिन्हित किया गया।

दुकानों और मकानों पर लगे लाल निशान

दिनभर चली कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने संदिग्ध कब्जों वाले स्थानों पर लाल निशान लगाकर उन्हें चिह्नित किया। इसके अलावा मिनी बैंक क्षेत्र से हिसार रोड तक कई दुकानें और मकान भी तालाब की भूमि में आते पाए गए। निशानदेही के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर मौजूद रहे और कार्रवाई पर नजर बनाए रखी। राजस्व विभाग के कानूनगो सरदार करनैल सिंह, कानूनगो इंद्र सिंह तथा पटवारी सुरेंद्र सिंह ने नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से सीमांकन का कार्य पूरा किया। मौके पर नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता अरुण कुमार, लिपिक कृष्ण कुमार छिंपा, सुनील कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। लोगों ने प्रशासन से बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

चार तालाबों की 82 एकड़ भूमि जांच के दायरे में

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार भूना शहर में स्थित चार तालाबों की कुल लगभग 82 एकड़ भूमि में से करीब 40 एकड़ पर अतिक्रमण होने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के निर्देश पर व्यापक स्तर पर निशानदेही अभियान शुरू किया गया है। राजस्व विभाग अब पूरे जोहड़ क्षेत्र का विस्तृत सीमांकन कर अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगा। रिपोर्ट तैयार होने के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

80% निशानदेही पूरी

अधिकारियों के अनुसार खसरा नंबर 853 के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से की निशानदेही पूरी हो चुकी है। प्रारंभिक जांच में कई धर्मशालाओं, होटल संचालकों, बैंक भवनों और दुकानदारों द्वारा पीछे की ओर निर्माण कर तालाब भूमि पर अतिक्रमण किए जाने के संकेत मिले हैं। हिसार रोड पर स्थित दस दुकानों की स्वीकृत लंबाई और वास्तविक निर्माण में भी अंतर मिला।

जलभराव से जुड़ा मामला

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के तालाबों का प्राकृतिक स्वरूप लगातार सिमटने के कारण बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या गंभीर होती जा रही है। वर्ष 2022 और 2025 में शहर के कई हिस्सों में भारी जलभराव देखने को मिला था। ऐसे में तालाबों की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई को शहर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अतिक्रमण की लगातार मिल रही थीं शिकायतें

नगर पालिका सचिव दीपक कुमार ने बताया कि तालाबों की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर उपायुक्त के निर्देश पर डीजीपीएस मशीन के माध्यम से निशानदेही करवाई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीएम विंडो शिकायत पर चार साल कार्रवाई

- शिकायतकर्ता ने ढोल बजाकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

लगभग चार वर्षों से लंबित पड़ी सीएम विंडो शिकायत पर जांच के लिए बुलाए जाने पर गांव ख्योवाली निवासी शिकायतकर्ता सुभाष चंद्र एवं बृजलाल ने खंड कार्यालय, ओढां के बाहर मिठाई बांटकर तथा ढोल बजाकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए अपना रोष प्रकट किया। मामला गांव ख्योंवाली स्थित अनुसूचित जाति चौपाल से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार जिला प्रशासन सिरसा की अनुमति के बिना चौपाल परिसर में लगे तीन हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया तथा चौपाल के कमरों के दरवाजे और खिड़कियां निकालकर बेच दिए गए। उनका यह भी आरोप है कि जनवरी 2026 में जांच लंबित रहने के दौरान ही चौपाल के कमरों को भी बिना अनुमति के तोड़ दिया गया तथा चौपाल पर कब्जा स्थापित कर लिया गया। शिकायतकर्ताओं का ये भी आरोप है कि पिछले चार वर्षों तक मामले में कार्रवाई करने के बजाय खंड कार्यालय, ओढां और थाना ओढां एक-दूसरे को पत्र लिखकर जिम्मेदारी टालते रहे।

सिरसा। शिकायतकता मिठाई बांटकर कटाक्ष कर रोष जताते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

बिजली कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

- 2 जुलाई को करेंगे मंत्री के आवास का घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्ज यूनियन ने मांगों को लेकर वीरवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। राज्य प्रेस सचिव श्याम लाल खोड ने कहा कि यूनियन निगम अधिकारियों एवं प्रबंधन के साथ अनेक दौर की वार्ताएं कर चुकी है, लेकिन कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए अब सरकार के साथ सीधी लड़ाई लडऩी पड़ेगी। राज्य सह-सचिव देवीलाल बिरड़ा एवं राज्य सलाहकार रामशरण ने कहा अनेक बार वार्ता, ज्ञापन एवं बैठकों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की मांग की गई, लेकिन प्रबंधन द्वारा कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। सर्कल सचिव सतिंद्र मोंगा ने कहा कि ऑनलाइन ट्रांसफर नीति, कर्मचारियों की भारी कमी, लंबित मांगों तथा कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ चल रहा आंदोलन आने वाले समय में और तेज किया जाएगा। यदि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 30 जून को सर्कल स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

सिरसा। मांगों को लेकर रोष जाहिर करते बिजली कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

विरोध प्रदर्शन में राकेश जांगड़ा, प्रमोद कुमार, पवन कुमार, कुलदीप सोनी, विजय सैनी, राकेश कुमार, गुरचरण सिंह, जसपाल, सुनील जाखड़, धर्मपाल, सुखदेव, दयाराम, अमरीक सिंह, जगन, महेंद्र, उमाशंकर, चरण सिंह, अमन, राजेश कुमार, रमेश कुमार, लाल चंद, ओमप्रकाश, सन्नी, विनोद जांगड़ा सहित सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया।ाज्य प्रेस सचिव श्याम लाल खोड ने चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी 2 जुलाई को हरियाणा के समस्त बिजली कर्मचारी बिजली मंत्री अनिल विज के अंबाला स्थित आवास का घेराव करेंगे।

ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

पुलिस को चंद घंटों में मिली कामयाबी

जमीन के एक टुकड़े को लेकर शुरू हुआ विवाद इस कदर बढ़ गया कि एक बेगुनाह व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस सनसनीखेज वारदात पर तुरंत एक्शन लेते हुए थाना सदर रतिया पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और हत्या के मुख्य आरोपी को वारदात के महज कुछ ही घंटों के भीतर दबोचने में सफलता हासिल की है। पुलिस गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी की पहचान हुक्मांवाली निवासी सुखविंद्र सिंह पुत्र बरयाम सिंह के रूप में हुई है।

रतिया। हत्या मामले में गिरफ्तार युवक।

थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि अमृतपाल कौर पत्नी सुखदीप सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, 22 जून को विवादित जमीन पर काम चल रहा था, तभी आरोपी पक्ष पूरी तैयारी के साथ घातक हथियारों से लैस होकर मौके पर झगड़ा शुरू कर दिया था।

निर्जला एकादशी पर शहर में कई स्थानों पर लगाई छबीलें

भीषण गर्मी में प्यासों को पानी पिलाना ही सबसे बड़ी सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

निर्जला एकादशी के अवसर पर शहर में जगह-जगह पानी की छबीलें लगाई गई। श्री श्याम प्रेमी परिवार की तरफ से जनता भवन रोड स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में जलजीरे की छबील लगाकर भीष्ण गर्मी से राहगिरों को राहत पहुंचाई गई। इस मौके पर पुरुषोत्तम पुजारी, प्रवीन गोयल, राजेश मित्तल, राम कृष्ण गोयल, तारा चंद्र, राम अग्रवाल, राजेश खन्ना, दीपक मित्तल, संदीप वर्मा, धर्मपाल गर्ग, विनय बंसल, चेतन, नमन मित्तल सहित अन्य श्याम प्रेमियों ने संयुक्त रूप से कहा कि गर्मी का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गर्मी में पानी से बड़ी कोई सेवा नहीं हो सकती। राजकुमार चंदा,चंद्रशेखर सोनी, रुपिंदर भाटिया, बृजलाल घोड़ेला, प्रवीण शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, प्रेम कच्छावा, वेद सैनी आदि ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

सिरसा। मीठे पानी की छबील लगाकर सेवा करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

बाबा हरपाल ने दिया आशीर्वाद

विश्वकर्मा मंदिर ऑटो मार्केट में ठंडे-मीठे जल की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई गई। इस मौके पर डेरा श्योरामदास के मुख्य सेवक बाबा हरपाल ने छबील पर आकर सभी को आशीर्वाद देते हुए आम जनता की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। इस मौके पर अनिल बांगा ने कहा कि जनसेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। भूखे को भोजन और प्यासे को पानी मिल जाए इससे बड़ा पुण्य कोई और नहीं हो सकता।

निर्जला एकादशी पर डिंग क्षेत्र में जलसेवा राहगीरों को पिलाया ठंडा व मीठा जल

सिरसा। रेल यात्रियों को ठंडा जल पिलाते लोग।

डिंग। डिंग क्षेत्र में निर्जला एकादशी का पर्व श्रद्धा, आस्था और सेवा भाव के साथ मनाया गया। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सेवकों ने जगह-जगह जलसेवा शिविर लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई तथा पुण्य के भागीदार बने। दिनभर लोगों ने ठंडा व मीठा जल ग्रहण कर राहत महसूस की। डिंग मंडी रेलवे स्टेशन पर करीब 40 वर्षों से निरंतर चल रही लंगर सेवा के साथ निर्जला एकादशी के अवसर पर विशेष जलसेवा का आयोजन किया गया। यहां सेवकों ने यात्रियों और राहगीरों को ठंडा व मीठा पानी वितरित किया। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों ने इस सेवा की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। वहीं रेलवे फाटक के समीप भी सेवाभावी लोगों द्वारा विशेष व्यवस्था की गई। यहां दिनभर राहगीरों को ताजा गन्ने का रस पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई। बड़ी संख्या में लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया। सेवकों ने बताया कि निर्जला एकादशी के दिन जलदान का विशेष महत्व माना जाता है, इसलिए हर वर्ष इस प्रकार की सेवा का आयोजन किया जाता है।

सारा की नाक बहुत तेज थी। वह झट से बता देती थी कि यह किस सब्जी, फल-फूल या मिठाई की खुशबू है। यहां तक कि यह भी बता देती थी कोई इत्र किस फूल का है। लेकिन एकाएक सारा की खुशबू पहचानने की क्षमता गायब हो गई। उसे लगा, उसके आस-पास बिखरी खुशबू कोई चुरा ले गया। क्या वास्तव में कोई खुशबू चोर था? बच्चो, पढ़ो बहुत प्यारी-सी कहानी।

खुशबू चोर को पकड़ो

कहानी
सूर्यनाथ सिंह

सारा गांव, सारा की नाक का कायल था। किसके घर में किस चीज की सब्जी बन रही है, कौन-सी दाल पक रही है, सारा दूर से ही सूंघ कर पहचान लेती थी। यहां तक कि कौन, किस साबुन से नहा कर आया है, वह झट से बता देती। सारा की आंखें बंद करके मिठाई की दुकान में खड़ा कर दो, तो वह सूंघ कर बता देती कि कौन-सी मिठाई कहां रखी है। वह बहुत सारी खुशबुओं की मिली-जुली गंध में से भी अलग-अलग खुशबुओं की पहचान कर सकती थी। उसे इत्र की दुकान में खड़ा कर दो, तो वह बता देती कि वहां कितने तरह के फूलों के इत्र रखे हैं। मोगरा, चमेली, गुलाब, केवड़ा, रातरानी, चंपा, चंदन, हरसिंगार, ऐसा कोई भी फूल-फल, जड़ी-बूटी नहीं, जिसकी गंध सारा को मालूम नहीं।

सारा के तो सपनों में भी सुगंध आती। उसे सपने भी फूलों से भरे बाग-बगीचों के ही आते। सपने में देखती कि वह तरह-तरह के फूलों से भरे सुंदर बगीचे में घूम रही है। वहां बहुत सारी रंग-बिरंगी तितलियां उड़ रही हैं। भंवरे गुनगुना रहे हैं। उसे सपने में अकसर कोई ऐसी तितली नजर आ जाती, जैसी उसने पहले कभी नहीं देखी। कोई तितली आकर सारा के सिर पर बैठ जाती, तो कोई देर तक उसकी हथेली पर बैठी रहती। कभी-कभी तो उसे लगता कि किसी तितली ने कहीं दूर से कोई खास गंध लाकर उसकी हथेली पर रख दी है। वह तितली शायद उस गंध के बारे में सारा को कुछ बताने की कोशिश भी करती। लेकिन अफसोस कि सारा को उसकी बात समझ नहीं आती।

गांव वाले सारा की गंध सूंघने की क्षमता की तारीफ करते, तो उसे बहुत अच्छा लगता। मगर एक अफसोस उसके मन में सदा बना रहता कि वह तितलियों से बातें नहीं कर पाती। अगर वह तितलियों की जुबान समझती, तो शायद उसे तरह-तरह की सुगंध के बारे में बहुत सारी जानकारियां मिल पातीं। वह हमेशा यही सोचती रहती कि किस तरह तितलियों की भाषा समझी जा सकती है। उसने मम्मी से पूछा, पापा से पूछा, मंदिर के पुजारी से पूछा। लेकिन किसी ने कोई ऐसा तरीका नहीं बताया, जिससे तितलियों की जुबान समझी जा सके।

एक दिन सारा ने अपनी सबसे प्यारी अध्यापिका से भी पूछा कि तितलियों की बातें कैसे समझी जा सकती हैं? उन्होंने कहा, 'तितलियों की भाषा को कूट रूप में समझने के आंकड़े उपलब्ध हैं। विज्ञान ने इस पर बहुत काम किया है। तुम अपनी विज्ञान की अध्यापिका से पूछो, वह ठीक से बता पाएंगी।' लेकिन सारा को तो विज्ञान अध्यापिका जरा भी पसंद नहीं थीं। एक तो उनका स्वभाव बहुत रूखा था, फिर उनका पूरा जोर इस बात पर होता कि जो बातें किताब में लिखी हैं, उन्हीं पर ध्यान केंद्रित करो। किताब की बातें अगर ठीक से समझ गए तो आगे का रास्ता बहुत आसान हो जाएगा। किताब से बाहर की बातों पर वे कक्षा में बातें ही नहीं करतीं। जबकि, सारा के पास तो किताबों से बाहर की बातें ही ज्यादा होतीं। दूसरे, सारा का विज्ञान और गणित से भी छत्तीस का ही रिश्ता था। विज्ञान के सिद्धांत उसे बिलकुल पल्ले नहीं पड़ते थे। इसलिए सारा ने तितलियों की भाषा समझने के लिए विज्ञान अध्यापिका से ज्ञान लेने की कोशिश नहीं की।

सारा का अनुभव किताबों के ज्ञान से बड़ा था। वह बड़े गर्व से सबको बताती कि सारा संसार सुगंध से भरा है। इस धरती पर ऐसी कोई वस्तु नहीं, जिसकी अपनी कोई खास गंध न हो।

सारा सुगंध के अपने सुगंधित अनुभवों के साथ बड़ी हो रही थी। वह जैसे-जैसे बड़ी हो रही थी, वैसे-वैसे उसके अनुभव भी बड़े हो रहे थे। अनुभव बदल भी रहे थे। उसके सपनों की दुनिया भी बदल रही थी। ऐसे ही बदलते अनुभवों और सपनों के बीच एक रात उसे सपना आया कि वह एक ऐसी जगह पहुंच गई है, जहां कोई खुशबू नहीं। दुर्गंध ही दुर्गंध है। चारों तरफ सड़ी-गली, बदबूदार चीजें बिखरी हुई हैं। दूर-दूर तक कोई फूल नहीं, कोई पेड़-पौधा नहीं, हरी घास का तिनका तक नहीं। सब तरफ कचरे का काला बजबजाता वातावरण। तेज, तीखी दुर्गंध से उसकी नाक जैसे जलने लगी थी। वह नींद में पसीने-पसीने हो गई। नींद खुल गई। वह उठ कर बिस्तर पर बैठ गई थी। पहली बार उसे बोध हुआ कि सारा संसार सुगंध से भरा नहीं है। दुनिया में बहुत कुछ बदबूदार भी है। उस सपने के बाद सारा कुछ उदास हो गई थी। गंभीर रहने लगी थी। उसके भीतर अपने आस-पास के बाहर की दुनिया को जानने की जिज्ञासा जोर मारने लगी थी। तब उसे किताबों की बातों पर भरोसा कुछ बढ़ गया था।

ऐसे ही एक दिन, सारा सोकर उठी तो महसूस किया कि उसे किसी भी चीज की गंध नहीं आ रही। वह घबरा गई। वह भागी फूलों के बगीचे की तरफ। उसे वहां भी कोई गंध महसूस नहीं हुई। उसने एक-एक फूल को पकड़ कर, नाक से लगा कर सूंघना शुरू किया। लेकिन उनमें पहले जैसी खुशबू नहीं रह गई थी। सारा परेशान हो गई। उसे लगा कि संसार की सुगंध किसी ने रातों-रात चोरी कर ली है। वह वहीं बगीचे में बैठ कर रोने लगी। कुछ देर रोते रहने के बाद उसने अपने आंसू पोंछे और घर लौट आई। मां को बताया, पापा को बताया कि कोई फूलों की खुशबू चुरा ले गया है। उसे किसी भी चीज से कोई खुशबू नहीं आ रही। मम्मी-पापा को हैरानी तो हुई, पर सारा की बात समझ में नहीं आई। उन्होंने सोचा, सारा बच्ची है, और बच्चों को इस तरह के ख्याल इस उम्र में आते ही रहते हैं। कोई फूलों की खुशबू कैसे चुरा सकता है! उन्होंने सारा को यह बात समझाने की कोशिश भी की, लेकिन सारा भला कहां समझने वाली थी। उसे तो किसी भी तरह खुशबू चोर को पकड़ना था। सारा के मौसा पास के थाने में थानेदार थे। पापा को लेकर सारा उनके पास पहुंच गई। उसने बड़े अधिकार भाव से कहा कि खुशबू चोर को पकड़िए। पहले तो मौसा हंसे, फिर गंभीर हो गए। उन्होंने सारा के पापा को समझाया, 'इसे किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाओ। यह किसी बीमारी का लक्षण लगता है।'

सारा को डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने बहुत सारी जांचें करवाईं। जांच में सब कुछ सामान्य था। सारा के मम्मी-पापा ने राहत की सांस ली कि उसे कोई बीमारी नहीं है। लेकिन सारा की समस्या तो जस की तस बनी हुई थी। तब डॉक्टर ने उसे समझाया, 'तुमने विज्ञान की किताब में तो पढ़ा ही होगा कि भाप बन कर उड़ने वाले सूक्ष्म बैक्टीरिया सुगंध या किसी भी तरह की गंध को पैदा करते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु में हो रहे तेजी से बदलाव की वजह से बहुत सारे हानिकारक बैक्टीरिया पैदा हो रहे हैं, तो बहुत सारे बैक्टीरिया नष्ट भी हो रहे हैं। प्रदूषण फैलता हुआ तुम्हारे गांव तक आ गया है, जो खुशबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मार रहा है। इसीलिए अब फूलों की खुशबू पहले की तरह वातावरण में नहीं फैल पाती। तुम्हारी खुशबू चुराने वाला कोई और नहीं, यह पर्यावरणीय प्रदूषण है।'

डॉक्टर की बातें सुनकर सारा की चिंता और बढ़ गई। वह सोचने लगी कि इस खुशबू चोर को कैसे पकड़े और सजा दे। वह फिर से फूलों में खुशबू भरने के उपाय सोचने लगी थी। दिन-रात किताबों में डूबी रहने लगी। उसे विश्वास था कि एक न एक दिन, उसके चारों तरफ फिर से उसी तरह सुगंध तैरेगी, जिस तरह पहले तैरा करती थी। वह उस खुशबू चोर के बारे में जितना पढ़ती, समस्या समाधान का उसका हौसला उतना ही बढ़ता जाता। *

सभी इमेज एआई

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

मानसून कब तक आएगा!

सूरज तमक रहे तमतम जी,
पल-पल होते और गरम जी।
सीधी-तिरछी तीखी-किरणें,
जमकर मचा रहीं ऊधम जी।
नाच रही लू वाली लपटें,
दिखा रहीं अपना दमखम जी।

घर से जरा दूर ही निकले,
हुए पसीने में तर हम जी।
मानसून कब तक आएगा,
कब करवट लेगा मौसम जी।
कब छाएंगे काले-बादल,
कब होगी वर्षा झम-झम जी।

प्राकृतिक आश्चर्य
नयनतारा

बच्चो, तुमने रेनबो जरूर देखा होगा और माउंटेन भी! आज हम तुम्हें एक अनोखे माउंटेन के बारे में बता रहे हैं, जो रेनबो जैसा दिखता है।

रेनबो जैसा दिखने वाला अनोखा माउंटेन विनीकुंका

बच्चो, कुछ लैंडस्केप इतने खूबसूरत, इतने अद्भुत-अविश्वसनीय होते हैं कि उन्हें देखकर आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। ऐसा लगता है कि किसी ने उसे रंगों से सजाया-संवारा है। हमारी पृथ्वी पर ऐसी अनेक अद्भुत-अविश्वसनीय जगहें हैं।

रेनबो माउंटेन विनीकुंका: पेरू की एंडीज पर्वत श्रृंखला में 5 हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित एक पहाड़ है, जिसका नाम है- विनीकुंका। इस पहाड़ को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो किसी ने इसे अलग-अलग रंगों से पेंट कर दिया हो। इस पहाड़ की ढलान पर अनेक रंग हैं, जो रोशनी और दूरी के हिसाब से बदलते हुए नजर आते हैं।

अपने नेचुरल कलरफुल ढलानों की वजह से इस रंग-बिरंगे पहाड़ को देखते हुए ऐसा लगता है, जैसे हम किसी इंद्रधनुषीय पर्वत (रेनबो माउंटेन) को देख रहे हों। इसीलिए इसे रेनबो माउंटेन कहा जाता है।

कहां से आए रंग: अब सवाल यह है कि इस रेनबो माउंटेन में आखिर इंद्रधनुषीय रंग आए कहां से? बच्चो, सदियों से खनिजों की जो परतें इस पहाड़ पर बनी हैं, उनकी वजह से इसके लैंडस्केप पर अलग-अलग रंग आ गए। आयरन ऑक्साइड की वजह से पहाड़ में लाल रंग नजर आता है तो पीला और सुनहरा रंग सल्फाइड खनिजों की उपस्थिति के कारण दिखता है। हरा रंग क्लोराइट व अन्य कंपाउंड्स की वजह से तो सेडीमेंटरी परतों के मिश्रण से ब्राउन और पर्पल टोन नजर आते हैं। और भी कुछ गहरे-हल्के रंग अलग-अलग खनिज परतों की वजह से इस पहाड़ पर नजर आते हैं।

हमेशा ऐसा नहीं दिखाई देता था: आज अपनी खूबसूरती और अनोखेपन की वजह से दुनिया भर में मशहूर विनीकुंका माउंटेन (रेनबो माउंटेन) हमेशा ऐसा नहीं दिखाई देता था। यह लंबे समय तक बर्फ से ढंका रहा। जलवायु परिवर्तन की वजह से कुछ साल पहले जब बर्फ की परत इस पर से हटने लगी तो इसका रंगीन, इंद्रधनुषीय पैटर्न भी दिखाई देने लगा। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बच्चो, हाल में ही परोपकार, वीरता, बलिदान, दृढ़ संकल्प जैसे मानवीय गुणों की प्रेरणा देने वाली दस कहानियों की किताब 'शौर्य और बलिदान की कहानियां' छपकर आई है। इन कहानियों को प्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. करुणा पांडे ने लिखा है।

'दृढ़ निश्चय' संकल्प और अपनी मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने को तत्पर एक युवक शतमन्यु की कहानी है। अपने देश को अकाल से मुक्त कराने के लिए वह इंद्र देवता को प्रसन्न करने वाले यज्ञ में अपने बलिदान के लिए सहर्ष तैयार हो जाता है। फिर उसका देश अकाल से कैसे मुक्त होता है, यह इस कहानी में पढ़ सकते हो। 'ऐश्वर्य भोग की लालसा' में तुम ऋषि आत्रेय की कहानी में पढ़ोगे कि ज्यादा सुख-सुविधाओं की लालसा करना किस तरह से अनेक दुखों का कारण बन सकता है। करुणा और दूसरों पर उपकार करने की भावना किस तरह क्रूर व्यक्ति का भी हृदय परिवर्तन कर सकती है, इसे बहुत अच्छी तरह से 'परोपकारी भावना' कहानी में बताया गया है। इसमें तुम पढ़ोगे किस तरह दुष्ट यक्ष शूलपाणि, भगवान महावीर का शिष्य बन जाता है? 'शेर का बच्चा शमशेर' एक बहुत बहादुर और साहसी युवक बालकृष्ण की कहानी है, जो अपनी वीरता के बल पर शेर को हराकर राजा के सामने अपनी बेगुनाही साबित करता है फिर उसी की सेना में बड़ा अफसर बनकर शत्रु देश से युद्ध में वीर गति प्राप्त करता है। इनके अलावा 'पिता का मंत्र' और 'शरणार्थी के लिए बलिदान' जैसी कहानियां भी प्रेरित करने वाली हैं। *

किताब: शौर्य और बलिदान की कहानियां (बालकथा संग्रह), **लेखिका:** डॉ. करुणा पांडे, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** श्वेता बुक एजेंसी, पिलानी

बूझो तो जानें

1. वर्षा के थमते ही नभ में
आता है मुस्कान लुटाता,
इसको प्यारा, उसको प्यारा
रखे सात रंगों से नाता!

2. आदिकाल से जब से दुनिया
बादल की वह बनी सहेली,
जिस पर गिरे तबाही लाती
कड़कदार है नार-नवेली!

3. सभी जानते नौ ग्रह होते
इन सबका वह मुखिया,
उसके बिना असंभव जीवन
जल्दी बूझो मुनिया!

-डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1. इंद्रधनुष, 2. बिजली, 3. सूरज

रोचक जानकारी
वीना

बच्चो, अपने देश में स्थित 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' और 'मैंगो सिटी' के नाम से मशहूर दो अलग-अलग स्थानों के बारे में जानो।

अपने देश में कहां हैं मैंगो सिटी-मैंगो कैपिटल

बच्चो, इन दिनों तुम मीठे-रसीले आम खूब मजे लेकर खा रहे होगे। अपने बेमिसाल स्वाद और गुणों के कारण आम फलों का राजा कहलाता है। क्या तुम जानते हो अपने देश में एक ऐसा शहर भी है, जिसे इंडिया का 'मैंगो सिटी' के नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, अपने देश में एक ऐसी जगह भी है, जिसे 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' यानी 'दुनिया की आम राजधानी' के रूप में जाना जाता है।

मालदा है मैंगो सिटी: भारत के पश्चिम बंगाल में एक जिला है-मालदा। यहां की जलवायु और मिट्टी आम के उत्पादन की दृष्टि से बहुत ही अनुकूल है। इस शहर में आम की अलग-अलग किस्मों, जैसे- फजली, लंगड़ा आदि की बड़ी मात्रा में पैदावार होती है। बच्चो, तुम्हें बता दें कि एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट किस्म के आम का नाम इसी शहर के नाम पर 'मालदा' पड़ा है। आम की बेहतरीन किस्मों की भरपूर पैदावार होने के कारण ही मालदा को इंडिया का 'मैंगो सिटी' यानी 'आम का शहर' के नाम से भी जाना जाता है।

वर्ल्ड का मैंगो कैपिटल-मलीहाबाद: बच्चो, भारत के राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पास एक छोटा-सा खूबसूरत कस्बा है मलीहाबाद। यह कस्बा दुनिया की 'आम राजधानी' यानी 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से मशहूर है। मलीहाबाद में आम उगाने की एक पुरानी परंपरा रही है, जिसका इतिहास नवाबों के दौर यानी मध्यकाल से जुड़ा हुआ है। यहां की आबोहवा और उपजाऊ मिट्टी आम की खेती के लिए बहुत अनुकूल है। इस कारण यहां पैदा होने वाले आमों की मिठास, मनमोहक खुशबू और मुलायम गूदे का कोई मुकाबला ही नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि मलीहाबाद की शान माने जाने वाले दशहरी आम का 200 साल पुराना 'मातृ पेड़' (मदर ट्री) आज भी यहां शान के साथ खड़ा हुआ है। दशहरी के अलावा यहां उगने वाले अन्य किस्म के आम भी बहुत स्वादिष्ट होते हैं, जिनमें लंगड़ा, चौसा, सफेदा और आम्रपाली प्रमुख हैं। *

जीके क्विज-211

1. असम के किस पारंपरिक वाद्य यंत्र को हाल ही में जीआई टैग दिया गया है?
2. इस साल टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों की सूची में शामिल एकमात्र भारतीय खिलाड़ी कौन है?
3. वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष का नाम क्या है?
4. क्रिस्टियानो रोनाल्डो किस खेल के विश्वप्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
5. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
7. भारत का पहला परमाणु परीक्षण कहां हुआ था?
8. भारत का अंतिम मुगल सम्राट कौन था?
9. कंचनजंगा पर्वत किस राज्य में स्थित है?
10. किस देश को 'सूर्योदय का देश' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-211 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-210 का उत्तर: 1.जनरल उपेंद्र द्विवेदी, 2.मेक्सिको सिटी, 3.स्लोवाकिया, 4.परमवीर चक्र, 5.बेंगलुरु, 6.शाहजहां, 7.आर्कटिक सागर, 8.एंपीयर, 9.परम 8000, 10.11 खिलाड़ी

जीके क्विज-210 का सही उत्तर देने वाले: जिया शिया-रायगढ़, जमुना-बलौदा बाजार, मेघा-ईमेल से, कबीर-हिसार, मोहनीश-गरियाबंद, कुसुम-रायपुर, रजत-बिलासपुर, ईशान-भोपाल, प्रवीण-रोहतक, साकेत-दुर्ग, हर्ष-महासमुंद, रानी-दुर्ग

अंतर बताओ

बच्चो, यहां फुटबॉल खेल रहे लड़कों के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1.आसमान में बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 2.गोल करने वाले लड़के की आंखें बंद हैं। 3. लड़के की जर्सी का नंबर बदला हुआ है। 4. लड़के के दाहिने पैर के जूते में भी दो धारियां बनी हुई हैं। 5. मैदान में आगे घास कुछ कम दिख रही है।

राइमिंग वर्ड्स सोचो

बच्चो, यहां चित्र में दिख रहे जंतुओं-वस्तुओं के नाम एक ही राइम में हैं। तुम ऐसे ही कुछ और नाम बताओ, जो इन राइम्स से मैच करते हों।

खबर संक्षेप

ट्रेड डील के खिलाफ एकजुट होने की तैयारी

रतिया। ट्रेड डील के खिलाफ किसान संगठनों ने एक बार फिर एकजुट होने की तैयारी शुरू कर दी है। चंडीगढ़ में आयोजित किसान संगठनों की एक साझा बैठक में आगामी रणनीति पर चर्चा की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य सभी संगठनों को एक मंच पर लाकर एकता को मजबूत करना है। इस बैठक में रतिया के किसान नेता एवं पगड़ी सम्भाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप सिंह नथवान ने भी भाग लिया।

नशा मुक्ति दिवस जागरूकता शिविर आज

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर आगामी 26 जून को जिला प्रशासन द्वारा पंचायत भवन सिरसा में जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। नशा मुक्त युवा-सशक्त राष्ट्र थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलोड़ ने बताया कि कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित सिंघल तथा पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लगाया स्वास्थ्य शिविर

चोपटा। जिला आयुर्वेदिक विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर साहुवाला द्वितीय में साप्ताहिक वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों ने हिस्सा लिया। आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. गगन गोयल ने बताया कि सप्ताह के प्रत्येक वीरवार को जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए जिसमें वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच कर आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गई।

वाहनों के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने वाला काबू

डबवाली। पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वाहन के दस्तावेज तैयार करवाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी द्वारा शिकायतकर्ता की जीप की नंबर प्लेट का दुरुपयोग करते हुए अपनी जीप पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई तथा उसी आधार पर प्रदूषण प्रमाण पत्र और बीमा तैयार करवाया। जांच में यह भी सामने आया कि प्रदूषण प्रमाण पत्र और बीमा करवाने के बाद आरोपी ने वाहन का इंजन बेच दिया।

जिला अध्यक्ष बने राजेश गर्ग

फतेहाबाद। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने संगठन को और अधिक मजबूत व सक्रिय बनाने के उद्देश्य से फतेहाबाद निवासी राजेश गर्ग को जिलाध्यक्ष व मुकेश बंसल को फतेहाबाद जिला महामंत्री नियुक्त किया है। संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन देशभर के अग्रवाल समाज का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जो अपनी प्रदेश, जिला इकाइयों के साथ-साथ महिला मंडल और युवा मंडल के माध्यम से समाज को संगठित करने का कार्य कर रहा है।

डोर-टू-डोर कर्मचारियों ने शुरू किया धरना, शहर में फिर मंडराया कचरा संकट

महीने से वेतन नहीं, कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के पहिए थमे

कर्मचारियों ने कहा-बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की सफाई व्यवस्था एक बार फिर संकट में पड़ती नजर आ रही है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का काम करने वाले कर्मचारियों ने पिछले कई महीनों से वेतन न मिलने के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने कचरा उठाने वाली गाड़ियां खड़ी कर धरना दे दिया, जिसके चलते शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने का काम ठप हो गया है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में शहर की गलियों और बाजारों में कूड़े के ढेर लगने की आशंका है। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले आठ महीनों से ठेकेदार के माध्यम से शहर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल तीन माह का वेतन मिला है। शेष पांच माह का वेतन अभी तक नहीं दिया गया है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा। कर्मचारी रवि कुमार ने बताया कि पिछले तीन महीनों से उन्हें लगातार वेतन जल्द जारी होने का भरोसा दिया जा रहा है, लेकिन हर बार ₹आज-कल₹ कहकर मामला टाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारियों के सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। बच्चों की फीस, घर का किराया और रोजमर्रा के खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा है।

पांच माह का वेतन अभी तक नहीं दिया गया

शहरवासियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था बंद होने का सबसे अधिक असर आम लोगों पर पड़ सकता है। यदि हड़ताल लंबी चली तो घरों से निकलने वाला कचरा जमा होने लगेगा और सफाई व्यवस्था प्रभावित होगी। बरसात का मौसम नजदीक होने के कारण कचरे के ढेर से दुर्गंध और संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। अब निगाहें नगर परिषद प्रशासन और ठेकेदार पर टिकी हैं कि कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान कराकर इस विवाद का समाधान कब तक निकाला जाता है, ताकि शहर को एक और कचरा संकट से बचाया जा सके।

ठेकेदार और नप के बीच फंसे कर्मचारी

कर्मचारियों के अनुसार जब वे ठेकेदार से वेतन की मांग करते हैं तो जवाब मिलता है कि नगर परिषद से भुगतान नहीं हुआ है। दूसरी ओर नगर परिषद के अधिकारियों से बात करने पर उन्हें ठेकेदार से संपर्क करने के लिए कहा जाता है। ऐसे में कर्मचारी दोनों पक्षों के बीच फंसकर रह गए हैं। धरनारत कर्मचारियों ने कहा कि उनका किसी व्यक्ति या संस्था से कोई विवाद नहीं है। वे केवल अपने मेहनताने की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे शहर की सफाई व्यवस्था को बाधित नहीं करना चाहते, लेकिन बिना वेतन के लगातार काम करना उनके लिए संभव नहीं है।

वेतन मिलते ही काम पर लौटने का दावा

कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग केवल बकाया वेतन के भुगतान की है। जैसे ही उनका वेतन जारी होगा, वे तुरंत काम पर लौट आएंगे और उसी दिन से डोर-टू-डोर कचरा उठाने की व्यवस्था बहाल कर देंगे। फिलहाल वेतन मिलने तक धरना जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

पहले भी हड़ताल से बिगड़ी थी व्यवस्था

गौरतलब है कि इससे पहले नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान भी शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी। कई दिनों तक कूड़ा नहीं उठने से विभिन्न कॉलोनियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर लग गए थे। अब डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण बंद होने से एक बार फिर ऐसी स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है।

फतेहाबाद। एसआईआर कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एसआईआर अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के मॉडल टाउन स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद, अशोक नगर स्थित टैगोर मॉडल स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोपल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढिंगसरा के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा मौके पर उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने बूथ स्तर पर चल रहे एसआईआर कार्यों की समीक्षा करते हुए बीएलओ को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पुनरीक्षण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही फार्म भरने, दस्तावेजों के सत्यापन तथा ऑनलाइन अपलोडिंग से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जानकारी ली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

हेल्प डेस्क किए स्थापित

जिला प्रशासन द्वारा फतेहाबाद, टोहाना तथा रतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प डेस्कों के माध्यम से मतदाताओं को अभियान से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। इस अवसर पर एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, एईआरओ एवं फतेहाबाद तहसीलदार सुरेंद्र सिंह, चुनाव नायब तहसीलदार राज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भजन कीर्तन का प्रभाव मन पर पड़ना चाहिए सोच बदले तभी तो लाभ होगा : दिव्यानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हुडा सैक्टर 3 स्थित श्री सनातन धर्म मन्दिर में वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में डा. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि यदि सोच ही नहीं बदली, नकारात्मक सोच हर बात में टोका टाकी, इगो प्रोब्लम, ईर्ष्या द्वेष, तब ऐसी अवस्था में स्वयं या घर परिवार में कैसी शान्ति। उन्होंने कहा कि पहले सोच और विचार बदले और फिर व्यवहार बदले तभी तो मन्दिर और सन्तों के पास जाने का लाभ है। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि आज तो ये सब धर्म टोने टोटकों के नाम पर आश्रित हो रहा है। हिन्दू धर्म प्रचारकों द्वारा अधिकतर यही प्रचार प्रसार हो रहा है। आज हिन्दू वेद शास्त्र उपनिषद भूल गये है। कहीं पुराणों की कथा होती भी है तो उसमें सन्तों के अनुभव नहीं लिये जाते। गीता जी और श्री रामायण भागवत जी पढन्ने सुनने का अर्थ हमारा जीवन राम जी और श्री कृष्ण की भांति मर्यादित और रस भरा होना चाहिये। थोड़ी देर के लिये आनन्द लेना नहीं। ग्रन्थ पढन्ना अर्थात उस ज्ञान को लेना है। मन्दिर में जाना पवित्र अन्तःकरण बनाना है। सारा प्रयास मन को निर्मल बनाने में लगाना है। केवल सजावट और बनावट के नाम से किया जाने वाला प्रचार देर सवेर गिरावट को ही लायेगा। इस अवसर पर आज प्रातः यज्ञ हुआ। राजेन्द्र चौधरी काका, बलदेव बजाज, मदन ग्रोवर, राजीव चौधरी, भारत भूषण गर्ग, राजेन्द्र नारंग ने पूजा कर आशीर्वाद लिया।

फतेहाबाद। पूजा अर्चना करवाते स्वामी दिव्यानंद जी महाराज।

रेलवे पार्क में सजेगा भंगड़ा का मंच

सिरसा। युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से 28 जून को रेलवे पार्क में भंगड़ा वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भंगड़ा प्वाइंट सिरसा के मास्टर ट्रेनर राहुल भंगड़ा नृत्य की प्रेक्टिस करवाएंगे। यह वर्कशॉप निशुल्क रहेगी। श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से बीती 14 जून को भी भंगड़ा वर्कशॉप का आयोजन किया गया था, जिसमें हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई थी। इस एक दिवसीय वर्कशॉप से वंचित अनेक लोगों द्वारा फिर से वर्कशॉप आयोजित करने की मांग की गई थी, जिस पर श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से 28 जून को दूसरी वर्कशॉप आयोजित की जा रही है। श्रीमत टैक्सवर्थ प्रा. लि. के डायरेक्टर माधव जैन ने बताया कि भंगड़ा केवल एक लोकनृत्य नहीं है, बल्कि ऊर्जा, उत्साह और फिटनेस का भी माध्यम है।

गुरुकृपा सेवा मंडल ट्रस्ट ने निर्जला एकादशी पर लगाई जल सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुकृपा सेवा मंडल ट्रस्ट, फतेहाबाद की ओर से एमसी कॉलोनी में जल सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी और उमस के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में ट्रस्ट सदस्यों, क्षेत्रवासियों और युवाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ जरूरतमंदों और राहगीरों को राहत पहुंचाना रहा। जल सेवा शिविर में राहगीरों, मजदूरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को ठंडा एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया गया। दिनभर चले इस सेवा अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने जल ग्रहण किया और ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में नगर परिषद की वाइस चेयरमैन सविता टुटेजा ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है और इस अवसर पर जल सेवा को सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर बिंटू टुटेजा, पवन, दीपक सरदाना, लकी टुटेजा, यश कायत, पायल, मानसी टुटेजा, राहुल टुटेजा, अर्जुन, तुषार, रम्या, रूपाली, कन्नू, सार्थक, हनीश, ममता तनेजा, निशा, ओवी टुटेजा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और ट्रस्ट सदस्य मौजूद रहे।

फतेहाबाद। छबील पर सेवा करते गुरूकृपा सेवा मंडल सदस्य।

बलविंद्र विभाग संयोजक और कृष्ण वर्मा बने जिला संयोजक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा के प्रांत अभ्यास वर्ग में नई प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें फतेहाबाद जिले के कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपते हुए बलविंद्र ढकरवाल को पुनः हिसार विभाग का विभाग संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं कृष्ण वर्मा को लगातार दूसरी बार फतेहाबाद जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बलविंद्र ढकरवाल लंबे समय से विद्यार्थी परिषद से जुड़े हुए हैं और छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठनात्मक कार्यों के साथ-साथ छात्र समस्याओं के समाधान और शिक्षा से जुड़े विषयों पर उनके योगदान को देखते हुए संगठन ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। वहीं कृष्ण वर्मा को भी पुनः जिला संयोजक बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन किया जाएगा। विद्यार्थियों के हितों की रक्षा, संगठन के विस्तार और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

भूना। बलविंद्र ढकरवाल व कृष्ण वर्मा।

साढ़े तीन किलोग्राम गांजा पत्ती सहित दो तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जिले क्षेत्र से दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साढ़े तीन किलोग्राम गांजा पत्ती बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अर्जुन व राहुल कुमार के रूप में हुई है। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने वीरवार को बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल टीम गश्त व चेकिंग के दौरान चंडीगढ़िया मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक प्लास्टिक का थैला लेकर आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया। तलाशी ली तो उसके कब्जे से दो किलोग्राम गांजा पत्ती बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान अर्जुन के रूप में हुई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष 30 को सिरसा में

सिरसा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता के आगामी 30 जून को प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की बैठक वीरवार को हुई, जिसमें जिला के वरिष्ठ पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने कहा कि अर्चना गुप्ता का सिरसा आगमन जिले के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुटें तथा अधिक से अधिक संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे कार्यक्रम संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिरसा जिला के कार्यकर्ता अपनी एकजुटता और समर्पण से इस स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर वेद फुलां, जगदीश चोपड़ा, रोहताश जांगड़ा, वीर शांति स्वरूप, शीशपाल कंबोज, प्रदीप रातूसरिया, अंबर मेहता आदि मौजूद रहे।

सिरसा में पेयजल संकट पानी टैंकरों के बढ़ाए रेट

22 दिनों से खन्ना कॉलोनी में नहीं हुई सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर में पेयजल संकट की स्थिति हो गई है। कुछ कॉलोनिया में सप्लाई तक नहीं आ रही। कुछ ऐसा ही हाल बस स्टैंड के नजदीक खन्ना कॉलोनी का है, जहां पानी का संकट हो गया है। एक तरफ भीषण गर्मी और दूसरी तरफ 22 दिनों से सप्लाई नहीं आई है। नल भी सूखे पड़े हैं। कॉलोनीवासी पानी के टैंकर मंगवाने को मजबूर है। अब पानी के टैंकर के रेट भी बढ़ गए हैं। कॉलोनीवासियों ने बताया कि पहले सुबह व शाम को किसी समय सप्लाई आ जाती थी। मगर अब सप्लाई आए ही बहुत दित बीत गए। अभी भी सप्लाई सुचारू नहीं हो पाई है। लोग अब घरों में अगले दिन का पानी भी जमा करने को मजबूर हैं। घरों में बड़े-बड़े ड्रम, बाल्टियां और टंकियां भरकर रखी जा रही है। लोगों को दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है, क्योंकि कुछ घरों में पानी की डिग्गी नहीं है। इस बारे में लोगों ने कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को शिकायत दी, परंतु अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। शहर में एक पानी के टैंकर की कीमत 700 रुपए से लेकर 1000 रुपए वसूली जा रही है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह खर्च अतिरिक्त बोझ बन गया है। कॉलोनीवासी ने कहा कि पानी की समस्या के कारण घरों में साफ-सफाई का बेहाल हो गया है।

सरकार की विफलताओं से जनता परेशान : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई है। प्रदेश में पेयजल, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर, नालों की सफाई और बुनियादी सुविधाओं को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार केवल पोर्टलों, ई-टेंडरिंग और प्रचार के सहारे जनता को गुमराह करने में लगी हुई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि गांव चनैत में पेयजल की मांग को लेकर शांतिपूर्ण संघर्ष कर रहे ग्रामीणों पर आधी रात को पुलिस बल, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल बेहद निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए आवाज उठाने वाले ग्रामीणों की बात सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग करना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। लोकतंत्र में जनता की समस्याओं का समाधान संवाद से होता है, दमन से नहीं। सांसद ने कहा कि यदि प्रदेश के ग्रामीणों को आज भी पीने के पानी के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है तो यह भाजपा सरकार की सबसे बड़ी प्रशासनिक विफलता है। सरकार को तत्काल ग्रामीणों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

गायक कलाकार मदन देवठीया ने भजनों से की कार्यक्रम की शुरुआत

पकड़ लो हाथ बनवारी, नहीं तो डूब जाएंगे... पर थिरके भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

श्री खाटू श्याम मंदिर, ओढ़ां में 8वें मूर्ति स्थापना दिवस पर विशाल जागरण का आयोजन धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वामी भजन मंडली केहरवाला के भजन गायक कलाकारों ने श्याम बाबा के भजन गाकर श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। गायक कलाकार मदन देवठीया ने पकड़ लो हाथ बनवारी, नही तो डूब जाएंगे, मेरे शीश के दानी का सारे जग में डंका बाजे सहित अनेक भजन गाकर जागरण की शुरुआत की। इसके बाद बागड़ी भजन गायक दलीप स्वामी ने कीर्तन की है रात श्याम आज थाने आनौ है, भगवान तेरी नगरी में कोए ना सुखी, तू राज घरां की रानी लाडो तेरी ऊंची से जात, पुत कपूत हो तो दोनों दुःखी आदि भजन नाचकर गाने पर पंडाल में धूम मचा दी और सभी भक्तजन नाचने पर मजबूर हो गए। इसके बाद पंजाबी कलाकार लखवीर गिल, भजन गायक धर्मपाल जांगिड़ आदि ने हिंदी, पंजाबी व ठेठ बागड़ी भाषा में श्याम बाबा का गुणगान सुबह 5 बजे तक किया और आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

सिरसा। जागरण में भजन गाते गायक।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई जयेष्ठ मास की चांदनी दशमी

फतेहाबाद। शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा में ज्येष्ठ माह की चांदनी दशमी का पर्व श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर श्रद्धालु बाबा रामदेव महाराज के दर्शनों के लिए मंदिर पहुंचे। धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत बाबा रामदेव महाराज की पावन और सांची जोत प्रज्ज्वलित करके की गई। जोत प्रकाशमान होते ही पूरा मंदिर रामदेवरा परिसर बाबा के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर जोत को नमन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। श्री बाबा सेवा समिति के प्रधान रमेश जोइया ने सभी समिति सदस्यों के साथ मिलकर बाबा रामदेव महाराज के विग्रह पर फूलों की सुंदर मालाएं अर्पित कीं और संध्या आरती संपन्न की। इस पावन अवसर पर बाबा रामदेव जी को पारंपरिक चूरमा, हलवा, खीर, विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, सूखे मेवे और बताशों का विशेष भोग लगाया गया।

खबर संक्षेप

योग शिविर में साधकों को प्राणायाम करवाया

फतेहाबाद। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट रतिया के तत्वावधान में जिला प्रभारी धर्मवीर ललित के मार्गदर्शन में टिब्बा कॉलोनी स्थित श्री राम आश्रम शिव मंदिर के सभागार में चल रहे 20 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के 13वें दिन योग प्रशिक्षक सुरेश मंगला ने उपस्थित योग साधकों को योगासन, प्राणायाम एवं विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया।

दुकान में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। दुकान से विद्युत सामग्री चोरी/गबन के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान पंजाब के संगरूर जिले के गांव बंगा निवासी करमजीत सिंह के रूप में हुई है। जाखल मंडी निवासी गगनदीप जिंदल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया गया था। दुकान में से लगभग 50-60 बंडल तार कम मिलने पर दुकान मालिक ने आरोपी पर केस दर्ज करवाया था।

देविवि के इतिहास विभाग में प्रवेश प्रक्रिया जारी

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग शिक्षण, शोध तथा विस्तार गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में ऐतिहासिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और शोधपरक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. विष्णु भगवान ने बताया कि विभाग में संचालित एमए इतिहास एवं पुरातत्व पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 50 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

फैमिली आईडी में आयु आय का सत्यापन करें

सिरसा। फैमिली आईडी में हर नागरिक की आयु तथा आय का सत्यापन जरूरी है, ताकि पात्र नागरिकों को आयु व आय अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। आय व आयु सत्यापन के लिए नागरिक वैध दस्तावेज के साथ ऑनलाइन आवेदन घर बैठे स्वयं या सीएससी के माध्यम से कर सकते हैं। क्रीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर रविंद्र कुमार ने बताया कि जिनकी आयु सत्यापित नहीं है, उन्हें विभाग द्वारा मोबाइल नंबरों पर परिवार पहचान पत्र में आयु सत्यापित न होने संबंधी संदेश भेजे जा रहे हैं।

फतेहाबाद के कोचिंग सेंटरों पर मंडरा रहा खतरा, 30 बेसमेंट तो कई तंग गलियों में चल रहे, हजारों विद्यार्थियों की सुरक्षा पर सवाल

- लखनऊ हादसे के बाद बढ़ी चिंता, नगर परिषद तैयार कर रहा रिकॉर्ड, अभिभावकों बोले शहर में तुरंत हो सुरक्षा सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

देशभर में सामने आ रही आगजनी और भवन हादसों की घटनाओं के बीच फतेहाबाद शहर में संचालित कोचिंग सेंटरों, पीजी और छोटे होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर की तंग गलियों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में दर्जनों संस्थान बिना पर्याप्त सुरक्षा प्रबंधों के संचालित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि कई संस्थानों का पूरा रिकॉर्ड तक नगर परिषद और दमकल विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। शहर में करीब 75 कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। इनमें से लगभग 30 सेंटर बेसमेंट में चल रहे हैं, जबकि 40 से अधिक संस्थान ऐसी संकरी गलियों और बहुमंजिला इमारतों में स्थित हैं, जहां किसी आपदा की स्थिति में बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो सकता है। अधिकांश भवनों में केवल एक ही प्रवेश और निकास मार्ग है, जिससे हादसे के समय भगदड़ मचने का खतरा बना रहता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन कोचिंग सेंटरों में प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं शहर के अलावा आसपास के गांवों से पढ़ाई के लिए पहुंचते हैं।

फतेहाबाद। शहर की गली में स्थित कोचिंग सैंटर। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक संगठनों ने उठाई मांग

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि पूरे शहर में तंग गलियों में कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन को सर्वे कर सुरक्षा मानकों की समीक्षा करनी चाहिए और संस्थानों के कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। इस संबंध में मुख्यमंत्री को भी पत्र भेजा गया है।

ये बोले अधिकारी

शहर में संचालित सभी कोचिंग सेंटरों की सूची तैयार की जा रही है। सर्वे के दौरान उपलब्ध रिकॉर्ड का मिलान किया जाएगा। यदि कहीं अवैध निर्माण या नियमों का उल्लंघन पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-विकास बजाज, बिल्डिंग इंस्पेक्टर, नगर परिषद फतेहाबाद

तंग गलियों में फंसे कोचिंग सेंटर, दमकल वाहनों के पहुंचने में भी मुश्किल

मेन बाजार, ठाकर बस्ती, गैस वाली गली के पीछे, पुरानी सब्जी मंडी और पुराने बस स्टैंड क्षेत्र के आसपास कई कोचिंग सेंटर ऐसे स्थानों पर संचालित हो रहे हैं, जहां दोपहिया वाहन निकालना भी मुश्किल है। ऐसे में यदि आगजनी जैसी कोई घटना होती है तो दमकल विभाग के वाहनों का मौके तक पहुंचना चुनौती बन सकता है। जांच के दौरान कई भवनों में न तो अग्निशमन यंत्र दिखाई दिए और न ही आपातकालीन निकासी की कोई व्यवस्था मिली। जबकि इन संस्थानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा मानकों के प्रति गंभीरता नजर नहीं आती।

दमकल विभाग के पास नहीं पूरा रिकॉर्ड नोटिस जारी कर होती है खानापूर्ति

शहर में चल रहे कई छोटे होटल, पीजी और कोचिंग सेंटरों का पूरा रिकॉर्ड नगर परिषद और दमकल विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। कई संस्थान वर्षों से बिना नियमित फायर सेफ्टी जांच के संचालित हो रहे हैं। हालांकि विभाग समय-समय पर नोटिस जारी करने और निरीक्षण की बात करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात कुछ और ही तस्वीर पेश करते हैं। लखनऊ में हुए हादसे के बाद अब सामाजिक संगठनों और अभिभावकों ने शहरभर में व्यापक सर्वे कराने और सुरक्षा मानकों की जांच की मांग उठाई है।

फायर एनसीओ की अनदेखी, एमरजेंसी एग्जिट गायब

कोचिंग सेंटरों के लिए भवन सुरक्षा, फायर एनओसी और इमरजेंसी एग्जिट जैसे नियम निर्धारित हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर इनकी पालना केवल कागजों तक सीमित दिखाई देती है। कई संस्थान रिहायशी भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बेसमेंट में संचालित कोचिंग सेंटर सबसे अधिक जोखिम वाले होते हैं, क्योंकि वहां वेंटिलेशन सीमित होता है और आपात स्थिति में बाहर निकलने के विकल्प भी कम होते हैं।

मानसून सिर पर, फिर भी रेंग रहा 24 करोड़ का सीवरेज प्रोजेक्ट

अधूरी खुदाई से कॉलोनीवासी परेशान, विभाग के खिलाफ जताई नाराजगी

- खुदाई के बाद महीनों से अधूरी पड़ी गलियां, 20 हजार आबादी को बारिश में जलभराव और गंदगी का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की बाहरी कॉलोनियों में करीब 24 करोड़ रुपये की लागत से चल रहा सीवरेज प्रोजेक्ट सुस्त रफ्तार के कारण लोगों की परेशानी का कारण बनता जा रहा है। मानसून की दस्तक से पहले जहां सीवर लाइन बिछाने और गलियों को दुरुस्त करने का काम पूरा होना चाहिए था, वहीं कई क्षेत्रों में खुदाई के बाद कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। ऐसे में कॉलोनीवासियों को आशंका है कि यदि जल्द काम पूरा नहीं हुआ तो बरसात के दिनों में हालात और बदतर हो जाएंगे। नगर परिषद सीमा में हाल ही में शामिल हुई हंस कॉलोनी, स्वामी नगर, आजाद नगर, कीर्ति नगर, हरनाम सिंह कॉलोनी, पुरानी तहसील और डेरा मोहल्ला क्षेत्र में सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना से करीब 3,500 घरों और 20 हजार से अधिक लोगों को लाभ मिलना है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम की रफ्तार लोगों की उम्मीदों पर पानी फेरती नजर आ रही है।

बारिश से पहले कार्रवाई नहीं हुई तो बिगड़ सकते हैं हालात: कॉलोनीवासियों का कहना है कि यदि मानसून से पहले सीवर लाइन का कार्य और गलियों की मरम्मत पूरी नहीं हुई तो बरसात के दौरान जलभराव, कीचड़ और गंदगी की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। लोगों ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप कर काम में तेजी लाने की मांग की है।

फतेहाबाद। हंस कालोनी में निकासी न होने से खड़ा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

खुदाई के बाद छोड़ी गलियां, घरों के बाहर जमा हो रहा गंदा पानी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई स्थानों पर सडकें और गलियां खोदने के बाद लंबे समय तक उन्हें पूर्व स्थिति में नहीं लाया गया। इससे आवाजाही मुश्किल हो गई है। कई घरों के सामने गंदा पानी जमा होने लगा है, जिससे मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होने के बाद यदि यही स्थिति रही तो गलियों में चलना तक मुश्किल हो जाएगा। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ठेकेदार की सुस्ती और भुगतान विवाद से प्रभावित हुआ काम

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि पिछले कुछ समय से कई साइटों पर काम रुक-रुक कर चल रहा है। उनका कहना है कि मजदूरों ने खुद बताया कि ठेकेदार की ओर से समय पर भुगतान नहीं मिलने के कारण पर्याप्त श्रमिक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। नतीजतन कई जगह काम अधूरा पड़ा हुआ है और परियोजना की गति लगातार प्रभावित हो रही है।

यहां-यहां चल रहा काम

- 20 हजार आबादी को मिलना है फायदा
- 24 करोड़ रुपये की लागत से चल रहा है प्रोजेक्ट
- 3,500 घरों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ा जाना है
- हंस कॉलोनी, स्वामी नगर, आजाद नगर समेत कई क्षेत्र शामिल
- पुरानी लाइनों की मरम्मत और नए मैनहोल भी बनाए जाने हैं

मानसून से पहले काम पूरा नहीं हुआ तो बढ़ेंगी मुश्किलें

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग को मानसून से पहले इस परियोजना को प्राथमिकता देनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक गंभीरता दिखाई नहीं दे रही। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना का लाभ तभी मिलेगा, जब काम तय समय में पूरा हो और लोगों को अधूरी खुदाई तथा जलभराव की समस्या से राहत मिले।

अधिकारी बोले : निगरानी के लिए रिटायर्ड अधिकारी की लगाई ड्यूटी

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सतपाल रोज ने माना कि परियोजना की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने बताया कि ठेकेदारों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही परियोजना की निगरानी के लिए अनुभवी सेवानिवृत्त अधिकारी लादूराम और एक अन्य विभागीय अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके।

रतिया। बैठक में भाग लेते जनस्वास्थ्य विभाग कर्मचारी यूनियन के सदस्य।

दुर्व्यवहार पर जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी गरम

आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहर में अवैध पेयजल कनेक्शन काटने के दौरान एक सर्विस स्टेशन संचालक द्वारा कर्मचारियों से दुर्व्यवहार मामले में अब तक पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में काफी रोष है। इस मामले को लेकर वीरवार को ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन की शाखा रतिया की बैठक जिला प्रधान शमशेर सिंह कुंडू की अध्यक्षता में यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में यूनियन कार्यकारिणी के सदस्यों ने कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

बैठक में बताया गया कि 22 जून को हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी रतिया शहर में अवैध जल कनेक्शनों को काटने की कार्रवाई कर रहे थे। इस दौरान टोहाना रोड स्थित एक सर्विस स्टेशन के संचालक द्वारा कर्मचारियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और धमकी देने की घटना सामने आई। मामले को लेकर विभागीय अधिकारियों ने उसी दिन सिटी थाना रतिया में शिकायत दर्ज करवाई थी। यूनियन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज होने के बावजूद अभी तक आरोपित के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

- यूनियन ने गिरफ्तारी न होने पर दी सीवरेज-पानी सेवाएं ठप्प करने की चेतावनी

इससे कर्मचारियों में भय और रोष का माहौल बना हुआ है। यूनियन ने प्रशासन से मांग की है कि 30 जून तक आरोपित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कर्मचारी बिना किसी भय के अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें। बैठक में चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय सीमा तक कार्रवाई नहीं हुई तो यूनियन धरना, प्रदर्शन और जनसभाओं सहित लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगी।

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते एसडीएम राजेश कुमार।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी शिकायतें, कार्रवाई के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम राजेश कुमार ने क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों की विस्तार से सुनवाई की। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों को लेकर पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं, जिन पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में किया जाना चाहिए। एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुलभ और प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है। सरकार चाहती है कि नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का निवारण प्रशासनिक स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर प्रशासन को भी जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने और उनका व्यावहारिक समाधान निकालने का अवसर प्रदान करते हैं। एसडीएम ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाए तथा जटिल मामलों का विभाग मिलकर समाधान करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

रतिया। साइबर थाना में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में नेशनल लाइब्रेरी, रतिया में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों एवं आमजन को साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी शेयरिंग, फेक कॉल्स, सोशल मीडिया हैकिंग एवं डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने विशेष रूप से सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया।

एसडीएम ने एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण

रतिया। एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने वीरवार को नागपुर ब्लॉक के खूनन, अलावलवास, हड़ोली आदि गांवों का दौरा कर विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण यानि वीबी जीरामजी के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी ने नागपुर ब्लॉक में एसआईआर अभियान के तहत चल रही गतिविधियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

फतेहबााद पुलिस के एएसआई राजेंद्र सिंह और हेड कांस्टेबल प्रदीप पदोन्नत

फतेहाबाद। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य, कड़े अनुशासन और निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने वाले दो जांबाज पुलिसकर्मियों के लिए आज का दिन बेहद खास रहा। विभाग के प्रति उनकी कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए एएसआई राजेंद्र सिंह को प्रमोट कर एसआई के पद पर और मुख्य सिपाही प्रदीप को एएसआई के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने दोनों अधिकारियों के कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी। इस विशेष मौके पर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने दोनों अधिकारियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि राजेंद्र सिंह और प्रदीप जैसे समर्पित, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी ही पुलिस विभाग की असली ताकत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पदोन्नति उनके द्वारा भूतकाल में किए गए उत्कृष्ट कार्यों, अनुशासन और ड्यूटी के प्रति उनकी निष्ठा के फलस्वरूप ही उन्हें प्राप्त हुई है।

निर्जला एकादशी पर अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम में लगी मीठे पानी की छबील

- श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से लोगों को जल वितरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम में लगाई गई मीठे पानी की छबील।

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर स्थानीय अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम मंदिर में श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मीठे पानी की छबील लगाई गई। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और सेवा दल के सदस्यों ने राहगीरों व भक्तों को मीठा एवं शीतल जल वितरित कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का आयोजन संत श्री विचार प्रेमानंद जी महाराज की प्रेरणा से किया गया। इस अवसर पर संत विचार सेवानंद, संत विज्ञान प्रेमानंद महाराज, संत विनीत प्रेमानंद, संत विश्रुत प्रेमानंद तथा श्याम प्रेमानंद की विशेष उपस्थिति रही। संतों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल सेवा को सर्वोत्तम सेवाओं में माना गया है और निर्जला एकादशी पर प्यासे लोगों को जल पिलाने का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि सेवा और परोपकार की भावना ही मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारे, सहयोग और मानवता के संस्कार मजबूत होते हैं। छबील सेवा में आश्रम के सेवा दल और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस दौरान सेवा दल के प्रधान कृष्ण वधवा, शम्मी ढेंगड़ा, पवन बठला, राजेश शर्मा, अनिल वधवा, शोहित टुटेजा तथा अशोक ग्रोवर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साइबर ठगी को लेकर पुलिस विभाग ने जारी की एडवाइजरी

एसआईआर फार्म के नाम पर किसी को अपना ओटीपी न दें: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एसपी दीपक सहारण ने कहा कि एसआईआर फॉर्म के नाम पर ओटीपी मांगकर साइबर ठग लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि चुनाव आयोग या कोई भी सरकारी एजेंसी फोन कर, ओटीपी बैंकिंग विवरण पासवर्ड नहीं मांगती, ऐसे में सावधान रहें।

एसपी दीपक सहारण वीरवार को एडवाइजरी जारी कर बताया की भारत सरकार द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया चलाकर राज्यों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का कार्य चलाया जा रहा है। इसी प्रक्रिया का फायदा उठाकर साइबर ठग खुद को चुनाव आयोग, बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ अथवा सरकारी कर्मचारी बताकर लोगों को फोन कॉल, व्हाट्सएप संदेश और एसएमएस भेज रहे हैं। इन संदेशों में दावा किया जाता है कि यदि निर्धारित समय में एसआईआर फॉर्म नहीं भरा गया तो संबंधित व्यक्ति का वोटर कार्ड रद्द हो सकता है।

उन्होंने बताया की साइबर अपराधी लोगों से फॉर्म सत्यापन या पंजीकरण के नाम पर मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी, आधार संख्या, बैंक खाते की जानकारी, डेबिट-क्रेडिट कार्ड विवरण और अन्य गोपनीय सूचनाएं मांगते हैं।

जैसे ही व्यक्ति यह जानकारी साझा करता है, उसके बैंक खाते, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन खातों तक अपराधियों की पहुंच बन सकती है।

संदिग्ध कॉल की पुलिस को तुरंत सूचना दें

साइबर अपराधी कुछ मामलों में एसआईआर के नाम पर फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड और इंस्टॉल करने के लिए भी कहते हैं। यह एप मोबाइल में इंस्टॉल होते ही मोबाइल उपभोक्ता के फोन को नियंत्रण अपराधियों के हाथों मे आ जाता है, जिससे वित्तीय नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है। पुलिस प्रशासन ने एडवाइजरी में स्पष्ट किया है कि चुनाव आयोग या कोई भी सरकारी एजेंसी फोन कर कभी भी ओटीपी, बैंकिंग विवरण अथवा पासवर्ड नहीं मांगती। नागरिक केवल अधिकृत माध्यमों से ही एसआईआर फॉर्म प्राप्त करें और भरें। यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक प्राप्त होता है तो उसे तुरंत नजर अंदाज करें और संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें।